हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 17 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

सुरपन नदी में जल संचय अभियान अंतर्गत श्रम दान कार्य कर बोल्डर बोरी बंधान निर्माण किया

भुआबिछिया। मध्यप्रदेश शासन के चल रहे 15 नवम्बर 2025 से 30 दिसंबर 2025 तक चल रहे जल संचय अभियान के अंतर्गत दिनांक 16 दिसम्बर 2025 को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला मंडला विकासखंड बिछिया के सेक्टर 3आमाडोगरी के झीगाराघाट ग्राम में जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी विकासखंड समन्वयक कीर्ति कुरील के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम से परामर्श दाता श्री मति रश्मि पटेल, नवांकुर संस्था-दादू लालनंदा, अनिल नंदा, प्रमोद हरदा BSW, MSW, छात्र छात्रा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम अध्यक्ष, सचिव, सदस्य वा स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नदी सूर्पणनदी में जल संचय अभियान अंतर्गत श्रम दान कर 40 बोरी का बोरीबन्धन किया गया जिससे आगामी जल समस्याओं निदान पाने हेतु सराहनीय कार्य किया गया। विकासखंड समन्वयक कीर्ति कुरील उपस्थित रहे।

'साहस-जेंडर जस्टिस लैब्स' परियोजना की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय बैठक 17 दिसंबर को

मण्डला। जिले में 1 नवंबर 2025 से मई 2026 तक की अवधि के लिए "साहस-जेंडर जस्टिस लैब्स" परियोजना संचालित की जा रही है। परियोजना की प्रगति एवं आगामी गतिविधियों की समीक्षा के लिए 17 दिसंबर को प्रातः 11:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में परियोजना के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की समीक्षा, विभागीय समन्वय, रेफरल तंत्र की मजबूती तथा परियोजना के सुगम एवं प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। विदित है कि "साहस-जेंडर जस्टिस लैब्स" परियोजना का उद्देश्य जिले में महिलाओं और किशोरियों के लिए सुरक्षित, संवेदनशील एवं न्याय-सुलभ वातावरण का निर्माण करना है, जिसमें विभिन्न विभागों की सक्रिय सहभागिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग के सचिव सुरेश तोमर, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, चयनित विभागों के नोडल अधिकारी, स्काई सोशल की संस्थापक सुश्री सृष्टि प्रगट उपस्थित रहेंगी।

रेल्वे को लेकर जिले की होती रही है लगातार अनदेखी

क्या सड़क पर लोगों को आना होगा

*** जनता के मन में अब उपेक्षा से बढ़ रहा आक्रोश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

इतिहास बताता है कि देश में कोई भी बड़ा विकास कार्य बिना जनदबाव के संभव नहीं हुआ है। आज समय आ गया है कि मंडला की जनता एक स्वर में सवाल करे और जवाब माँगे। अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समयबद्ध कार्ययोजना, बजट स्वीकृति और ठोस क्रियान्वयन चाहिए।

मंडला की जनता अब चुप नहीं रहना चाहती। सवाल यह है कि क्या आने वाली पीढ़ियाँ भी यही पूछेंगी कि मंडला में रेल विकास कब होगा, या अब वास्तव में कोई जवाब मिलेगा?

हमारा जिला प्राकृतिक संपदा, आदिवासी संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है, लेकिन जब बुनियादी रेल सुविधाओं की बात आती है तो यही जिला आज भी सरकारी उपेक्षा का शिकार नजर आता है। देश में बुलेट ट्रेन, वंदे भारत और अमृत भारत स्टेशन योजनाओं की चर्चा हो रही है, वहीं मंडला जिले की जनता आज भी यह सवाल पूछने को मजबूर है कि क्या मंडला भारत का हिस्सा है या नहीं है?

मंडला जिले से आज तक एक भी स्थायी लंबी दूरी की ट्रेन शुरू नहीं हो सकी है। दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद या भोपाल जैसे बड़े शहरों के लिए सीधी रेल सेवा का सपना आज भी अधूरा है। न तो जिले में कोचिंग डिपो है और न ही किसी नई रेल लाइन को पिछले कई दशकों में स्वीकृति मिली है।

जनता का सवाल बिल्कुल सीधा और जायज़ है कि इतने लंबे राजनीतिक अनुभव और केंद्रीय सत्ता में भागीदारी के बावजूद मंडला को रेल विकास में क्या मिला? यदि अन्य जिलों और क्षेत्रों को नई रेल लाइनें, जंक्शन और सुपरफास्ट ट्रेनें मिल सकती हैं, तो मंडला क्यों हर बार पीछे छूट जाता है?

स्थानीय सामाजिक संगठनों और नागरिकों की माँग है कि जबलपुर–मंडला–बिलासपुर–पेंड्रा रोड डिंडोरी व मंडला तथा मंडला–नरसिंहपुर जैसी नई रेल लाइन परियोजनाओं को तुरंत प्राथमिकता दी जाए। ये केवल रेल लाइनें नहीं, बल्कि मंडला के आदिवासी, ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और व्यापार के नए द्वार खोलने का साधन हैं।

इनका कहना है

40 वर्षों के राजनैतिक प्रभुत्व के बावजूद मंडला जिले में बुनियादी सुविधा सड़क, रेल कनेक्टिविटी और रोजगार की भारी कमी है। स्थानीय निवासियों में गहरा असंतोष है। वर्तमान कैबिनेट मंत्री जो पहले सांसद भी रह चुकी हैं वह इन गंभीर मुद्दों, विशेषकर रेल लाइन के लिए, केंद्र या राज्य के कथित दबाव के कारण चुप्पी साधे हुए हैं।

-अखिलेश सोनी, रेल्वे संघर्ष समिति

मंडला की जनता अब चुप नहीं रहने वाली। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें अब केवल कोरे आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस क्रियान्वयन और जवाबदेही चाहिए। सवाल यह है कि क्या आने वाली पीढ़ियाँ भी यही सवाल पूछेंगी कि मंडला में रेल विकास कब होगा, या अब वास्तव में दशकों पुरानी इस उपेक्षा का कोई जवाब मिलेगा।

-नितिन सोलंकी,

मंडला जिले के विकास के लिए मंडला फोर्ट पर तत्काल कोचिंग डिपो और पीठ लाइन का निर्माण ज़रूरी है। साथ ही जिले से लंबी दूरी की ट्रेनें शुरू की जानी चाहिए। हमारी प्रमुख माँग है कि बिलासपुर से जबलपुर और गौरेला-पेंड्रा से मंडला-घंसौर तक नई रेल सेवाएँ चलाई जाएँ, ताकि कनेक्टिविटी बेहतर हो सके।

-अभिजीत सोनवानी,

रेल विकास ही मंडला के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के नए द्वार खोल सकता है। यह केवल एक लाइन नहीं, बल्कि विकास की जीवन रेखा है। राज्य सरकार में मंत्री होने के नाते कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके से अपेक्षाएं हैं, लेकिन केंद्र सरकार की तरफ से ठोस पहल और फंडिंग के बिना यह सपना पूरा नहीं हो सकता।

-ऐश्वर्य सराफ,

ग्राम बाबा देवरी में बन रहे संप में घटिया निर्माण

*** पीएचई विभाग के ठेकेदार पर भ्रष्टाचार के लग रहे आरोप।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम बाबा देवरी में पीएचई विभाग द्वारा निर्माणाधीन पानी के संप (Sump) को लेकर गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में भारी लापरवाही बरती जा रही है और गुणवत्ता मानकों को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार यह संप 50 हजार लीटर क्षमता का है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 4 लाख रुपये बताई जा रही है। इस संप के माध्यम से लगभग 300 घरों को पेयजल आपूर्ति की जानी है। लेकिन निर्माण की मौजूदा स्थिति को देखकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। मौके पर ली गई तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई देता है कि बेस निर्माण में सीमेंट का उपयोग नाममात्र किया गया है और घटिया सामग्री से काम चलाया जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार न तो उचित मिक्सिंग की जा रही है और न ही तकनीकी मानकों का पालन हो रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि निर्माण स्थल पर कोई सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया है, जिससे कार्य की लागत, ठेकेदार का नाम और समय-सीमा जैसी जरूरी जानकारी छिपाई जा रही है। इससे पूरे कार्य की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पीएचई विभाग द्वारा किसी प्रकार की नियमित निगरानी नहीं की जा रही है, जिससे ठेकेदार को मनमानी करने का खुला मौका मिल रहा है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि यही स्थिति रही तो यह संप जल्द ही कमजोर होकर बेकार साबित हो सकता है और भविष्य में दुर्घटना या जल संकट का कारण बन सकता है।

133 हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से राशि अंतरित की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान जिले की 133 हितग्राहियों को 3 करोड़ 04 लाख रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम का जिले में सीधा सजीव प्रसारण किया गया।

मंडला एनआईसी कक्ष से नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, प्र.श्रम पदाधिकारी श्री जैन एवं हितग्राही उपस्थित रहे। जिले के सभी जनपद पंचायतों में आयोजित कार्यक्रम में संबंधित जनप्रतिनिधि, हितग्राही एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजनांतर्गत नगरपालिका परिषद/पंचायत मंडला में 2, नगरपालिका परिषद/पंचायत बम्हनी बंजर में 2, जनपद पंचायत मंडला में 20, जनपद पंचायत बीजाडांडी में 12, जनपद पंचायत बिछिया में 43, जनपद पंचायत मवई में 7, जनपद पंचायत नारायणगंज में 3, जनपद पंचायत मोहगांव में 6, जनपद पंचायत निवास में 17, जनपद पंचायत घुघरी में 5 एवं जनपद पंचायत नैनपुर में 16 अनुग्रह सहायता सिंगल क्लिक से अंतरित की गई है।

विधायक पट्टा ने की केंद्रीय सड़क मंत्री से विभिन्न मुद्दों में चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने आज 16 दिसंबर 2025 को दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी से उनके आवास में भेंट कर जबलपुर मंडला चिल्पी हाईवे के फोरलेन निर्माण कार्य में सबसे पहले अंजनियां ओवरब्रिज का कार्य करवाने एवं सीआरएफ (सेंट्रल रिज़र्व फण्ड) से विधानसभा बिछिया क्षेत्र हेतु कुछ महत्वपूर्ण सड़कों की स्वीकृति हेतु आग्रह किया है जिनमें विकासखंड मवई के ग्राम मवई, मोहगांव होते हुए ग्राम बर्राटोला झामुल विकासखंड समनापुर जिला डिंडोरी से बंजरा, कंहारी, मारकुट्टा, थारपाथरा, बजाग, सैलवार, गोरखपुर, करंजिया, अमरकंटक तक सड़क निर्माण। जिला मंडला के ग्राम सिझौरा एनएच 30 से करंजिया, राजो होते हुए गढ़ी बैहर जिला बालाघाट तक सड़क निर्माण। जिला मण्डला अंतर्गत कान्हा नेशनल पार्क के मुख्य गेट ग्राम खटिया से मोचा, चरगांव, घटिया, लफरा, हिरदेनगर होते हुए ग्राम पुरवा झूलापुल (मंडला) तक सड़क निर्माण। मण्डला जिला अंतर्गत नक्सल प्रभावित विकासखंड मवई मुख्यालय से रमतिला, सुनेहरा रहटाखैरो होते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के ग्राम बनगौरा, सुकझर, दलदली होते हुए बोड़ला एनएच 30 तक सड़क निर्माण शामिल हैं।

एकल अभियान अंचल मण्डला SOC बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

एकल अभियान सम्भाग महाकौशल भाग रेवांचल अंचल मण्डला में SOC 1 दिवसीय समिति प्रशिक्षण वर्ग दिनांक 15/12/2025 को विश्व हिन्दू परिषद कार्यालय बडीखैरी मण्डला में सम्पन्न हुई। वर्ग का उद्घाटन मां भारती के चित्र में माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में मोहन द्विवेदी सम्भाग उपाध्यक्ष, अरविंद तिवारी विभाग संगठन मंत्री विश्व हिन्दू परिषद, कपिल अग्रवाल अंचल समिति संरक्षक की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुई। soc समिति प्रशिक्षण वर्ग में मण्डला के 12 संच to बिछिया, मवई, मोहगांव, चाबी, घुघरी, घुटास, अंजनिया, बम्हनी, नारायणगंज, बीजाडांडी, निवास, बकौरी की संच समिति के पदाधिकारियों ने वर्ग में सहभागीता की, अंचल समिति से अंचल अध्यक्ष आनन्द सोनी, सचिव प्रदीप सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल मिश्रा, हरि कथा अध्यक्ष श्रीमती उमा यादव, महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती प्रिया धुर्वे, अंचल माँ श्रीमती शारदा कछवहा श्रीमती कविता बरमैया, संरक्षक नीरज अग्रवाल की उपस्थिति रही। समापन सत्र में कुछ नवीन समितिओ की घोषणा सम्भाग उपाध्यक्ष की अनुशंसा में हुई। जिसमें अंचल समिति में श्रीमती विनिता दुबे को महिला समिति उपाध्यक्ष श्रीमती कविता यादव आरोग्य शिक्षा अध्यक्ष नियुक्त किया गया इसी प्रकार संच समिति बीजाडांडी अध्यक्ष उमाशंकर साहू, कोषाध्यक्ष छोटे महराज, सचिव बद्री प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष प्रीतम यादव,संच चाबी महिला समिति अध्यक्ष रातरानी झारिया, उपाध्यक्ष श्रीमती देवकी बाई, मोहगांव रमन यादव कोषाध्यक्ष को नवीन दायित्व सोपा गया। समिति प्रशिक्षण वर्ग में एकल अभियान पूर्ण कालिक कार्यकर्ता अरविंद मरावी सम्भाग गतिविधि प्रमुख, विरेन्द्र बेंद्रे भाग अभियान प्रमुख रेवांचल, अर्जुन वाटिया भाग गतिविधि प्रमुख की उपस्थिति रही। अंचल टोली से संजय मरावी अंचल अभियान प्रमुख, नन्दकिशोर यादव कार्यालय प्रमुख, राजेश यादव प्रशिक्षण प्रमुख, नरेश भांवरें गतिविधि प्रमुख, राम राजेश सिंगरौर अंचल व्यास,संच प्रमुख मानक मार्को, शंकर परते, नेहा झारिया, हेमलता नरेंती, चित्रलेखा सिंगौर,अनुज डोंगरे, अंतराम धुर्वे, सरवन यादव, महाबाई उईके, कमल किशोर यादव, अरुण धनेश्वर, बलराम यादव उपस्थित रहे। वर्ग के समापन सत्र में सभी संच समितियों को अंचल समिति की तरफ से उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। SOC समिति प्रशिक्षण वर्ग में सभी संचो से आए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,सचिव को प्रशिक्षण दिया गया।

विडम्बना | **चावल नहीं होने से नहीं हो पा रही सप्लाई।**

आधा माह बीत गया नहीं खुलीं राशन दुकानें

*** जिले के हक का चावल दूसरे जिलों को दे दिया गया।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

गरीब और कमजोर परिवारों के लिये शासकी उचित मूल्य की दुकानें या जिन्हें राशन दुकानों के नाम से जाना जाता है वे घर चलाने के लिये किसी भगवान से कम नहीं। कारण है कि प्रत्येक माह इन्हीं दुकानों से इन परिवारों को जो खाद्यान्न सरकार के माध्यम से दिया जा रहा है उससे न केवल इन गरीब और कमजोर परिवार के परिजनों की भूख मिट रही है बल्कि वे समाज में एक सम्मानजनक जीवन जी पा रहे हैं अब ऐसे में यदि किसी माह उन्हें खाद्यान्न न मिले तो समझा जा सकता है कि उन परिवारों की मानसिक स्थिति क्या होगी।

क्या है मामला

दिसम्बर माह के 16 दिन बीत चुके हैं और इस माह अभी तक शहर की बहुत सी राशन दुकानें इसलिये नहीं खुली कि इन दुकानों में विभाग द्वारा खाद्यान्न की सप्लाई नहीं हो पाई है कमोवेश ऐसी स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों की राशन दुकानों की भी बताई जा रही है। रोजाना राशनकार्डधारी इन दुकानों में जा रहे हैं और फिर खाली हाथ वापिस आते हैं कभी-कभार या यूं कहें कि रोजाना किसी न किसी राशन दुकान में विवाद की स्थिति भी निर्मित हो जाती है जब उपभोक्ता राशन दुकान संचालक से विभिन्न तरह के सवाल करने लगता है और राशन दुकान से खाद्यान्न न देने की वजह राशन दुकान संचालक को ही बताने लगता है अब ऐसे में राशन दुकान संचालक करे भी तो क्या।

जिले में नहीं है चावल

राशन दुकानों के न खुलने के पीछे जो कारण बताये जा रहे है वह यह है कि जिले में चावल गोदामों में नहीं है अब ऐसे में राशन दुकानों को कहां से चावल की सप्लाई की जाये। खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि हमनें राज्य सरकार को पत्र लिखा है शीघ्र ही समस्या के समाधान होने की संभावना है और कुछ ही दिनों में राशन दुकानों में चावल पहुंचा दिया जायेगा और राशन दुकानें पहले की तरह विधिवत खोली जा सकेंगी।

नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी कहते हैं कि हमारे पास गोदामों में चावल है नहीं तो हम क्या कर सकते हैं खाद्य विभाग से हमनें इस समस्या को लेकर कई बार चर्चा की जो विभागीय प्रक्रिया होती है उसे भी पूर्ण किया लेकिन अन्य जिलों से जहां से चावल आने की बात कही जा रही है अभी तक चावल आया नहीं है जैसे चावल की आपूर्ति होती है हमारे माध्यम से तुरंत ही राशन दुकानों तक चावल पहुंचा दिया जायेगा और यह समस्या हल हो जायेगी।

विभागीय अधिकारी अपनी-अपनी बातें कह रहे हैं लेकिन हकीकत कुछ और ही है जो संबंधित लोग ही सामने न आने की शर्त पर बताते हैं जिले को अपनी आवश्यकता का खाद्यान्न अपने पास रिजर्व रखना होता है लगभग तीन महीने का खाद्यान्न जिले में रिजर्व रखने की परम्परा है या कहें व्यवस्था बनाई गई है लेकिन ऐसा हुआ नहीं और जिले में जो चावल मौजूद था उसे दूसरे जिलों में भेज दिया गया। अब जहां से हमारे जिले में चावल आना था वहां से आ नहीं पा रहा हमारे पास स्टाक है नहीं अब सप्लाई हो तो कहां से। विभागीय अधिकारियों की अनदेखी के चलते जिले के उपभोक्ता न केवल परेशान हैं बल्कि उनकी पारिवारिक स्थिति भी प्रभावित हो रही है और इसके साथ-साथ सरकार की प्रतिष्ठा भी इनके मनों में कहीं न कहीं अच्छी नहीं बन रही।

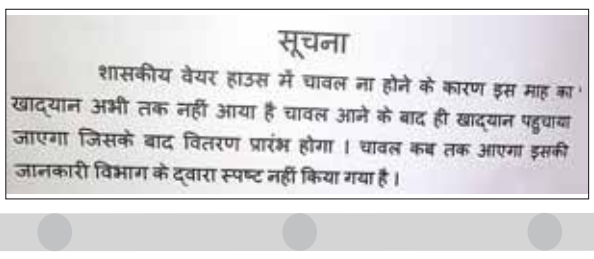

सूचना

शासकीय वेयर हाउस में चावल ना होने के कारण इस माह का खाद्यान अभी तक नहीं आया है चावल आने के बाद ही खाद्यान पहुचाया जाएगा जिसके बाद वितरण प्रारंभ होगा । चावल कब तक आएगा इसकी जानकारी विभाग के द्वारा स्पष्ट नहीं किया गया है ।

खबर संक्षेप

जिला परिवहन अधिकारी ने नगर में संचालित स्कूल वाहनों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शिक्षण संस्थाओं द्वारा जिस तरह से बच्चों को लाने ले जाने के लिये बस सहित अन्य वाहनों को उपयोग किया जा रहा है उनकी सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी। क्योंकि अनेक वाहनों में जहां परमिट, बीमा की बात तो दूर वाहनों में नम्बर तक नही है। मगर इसके बाद भी वह खुलेआम स्कूलों में छात्र छात्राओं को लाने ले जाने का कार्य करते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति में मासूमों की जिन्दगी को ध्यान में रखते हुये बीते हुये दिवस जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिला परिवहन अधिकारी द्वारा स्कूली वाहनों और अन्य वाहनों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को जिला परिवहन अधिकारी द्वारा गाडरवारा में 10 स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया। इस दौरान दो वाहन की फिटनेस न होने पर स्कूल संचालक को फिटनेस पूर्ति करने के निर्देश दिए। अन्यथा की स्थिति में वाहन जप्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

बसुरिया की बड़ी बड़ी फप्पा'का निधन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। समीपस्थ ग्राम बसुरिया के प्रतिष्ठित

नगपुरिया परिवार की वयोवृद्ध संरक्षिका व जिन्हे सभी लोग बुआजी तथा बड़ी फप्पा के नाम से जानते थें श्रीमती ख़म्मिो बाई लोधी का बीते हुये दिवस 108 वर्ष की आयु उपरांत निधन हो गया। ज्ञात हो कि कर्मठ जीवन और सादगी की प्रतिमूर्ति रहीं 'बड़ी फप्पा' की सबसे बड़ी पहचान यह थी कि उन्हें स्वतंत्र भारत के प्रत्येक आम चुनाव में मतदान करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) द्वारा सम्मानित किया गया था। वह ग्राम के वरिष्ठ समाजसेवी रमेश कुमार नगपुरिया और भाजपा ग्राम विकास प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य रामकुमार नगपुरिया की बुआ थी। इस तरह खम्मिों बाई लोधी की शव यात्रा में ग्राम सहित अन्य गांवों से पहुंचे हुये लोगों द्वारा शामिल होकर अपने श्रद्वासुमन अर्पित किये।

सालीचौका क्षेत्र में लगातार बढ रहे नशे के काले कारोबार पर अंकुश लगना जरूरी

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इन दिनों सालीचौका क्षेत्र की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थो का अवैध कारोबार लगातार अपनी गति पकड़ने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। बताया जाता है कि शराब के बाद क्षेत्र में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? नगर सहित क्षेत्र के गांवों में आसानी से मिलने वाली महॅगी सिगरेटो के फूॅकने के दौरान युवाओं, किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है। वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक है। मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदी हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है। विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है, जागरूक क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शायद पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देख भाल की सीधी जिम्मेदारी है।

कृषि के क्षेत्र में कैसे बन पायेगा भारत देश महान, जब एक एक बोरी यूरिया के लिये इस तरह कपड़ा फाड़ने के लिये मजबूर रहेगा माटी पुत्र किसान...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इन दिनों जिस तरह की परेशानियों से माटी पुत्र किसान को जूझते हुये देखा जा रहा है। इस ओर न तो नेतागण ध्यान दे रहे है और न ही जिम्मेदार अधिकारी जिसका परिणाम है कि जहां सभी का पेट भरने के लिये अपने खेतों में रात दिन मेहनत करने वाला किसान खुद ही भूखा प्यासा रहते हुये दिन दिन भर लाईनों में लगने के बाद भी एक बोरी यूरिया के लिये एक दूसरे से लड़ते झगडते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या इस स्थिति में कृषि को लेकर देश महान बन पायेगा..। जहां पर माटी पुत्र के लिये किसान के लिये जब खेती करने के लिये ही पर्याप्त सामग्री उपलब्ध न हो पा रही है...? सरकार में बैठे हुये जिम्मेदारों द्वारा आये दिन मंचों से यह बात कहते हुये तो सुना जाता है कि वह किसानों के लिये इस तरह की योजनाये लेकर आये हुये है कि खेती को लाभ का धंधा बना दिया जावेगा। मगर किसानों की सच्चाई को देखते हुये जहां यह बादे अपने आप ही झूठ साबित होने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर सत्ता से लेकर प्रशासन तंत्र में बैठे हुये लोगों को यह बात मालूम रहती है कि किसान को किस समय खेती के लिये कौन सी सामग्री की जरूरत रहेगी है। मगर इसके बाद भी समय पर वह सामग्री उपलब्ध न करा पाना निश्चित तौर से सरकार की असफलता का खुला प्रमाण सामने आने से नही बच पा रहा है और हाल यह बना हुआ है कि जिन किसानों के बल पर कुर्सी का सुख भोगने के लिये प्रदेश की राजधानी भोपाल से लेकर देश की राजधानी दिल्ली की सैर करने वाले आज किसानों की परेशानी के दौरान जिस तरह गायब दिखाई दे रहे है। वही दूसरी ओर माटी पुत्र किसान इस समय एक एक बोरी यूरिया प्राप्त करने के लिये जिस तरह वेयर हाऊसों के सामने सुबह सूरज निकलने के पहले ही लाईनों में खड़ा दिखाई देने के बाद भी जिम्मेदारों की चुप्पी सबालों के घेरे में आने से नही बच पा रही है..? क्योंकि एक एक बोरी यूरिया खाद प्राप्त करने के लिये किसानों को खुलेआम एक दूसरे से झगड़ने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। हाल यह बनने से नही चूक रहे है कि यूरिया खाद वितरण केन्द्रो पर पुलिस का पेहरा दिखाई देने लगे है। इस बात की सच्चाई क्षेत्र के बेयर हाऊसों में आसानी से देखने मिल रही है जहां भूखा प्यासा किसान एक एक बोरी यूरिया के लिये किस तरह दिन दिन भर लाईनों में खड़ा रहने के बाद भी उसे खाली हाथ लौटते हुये देखा जा रहा है। सोमवार को जिस तरह समीपस्थ ग्राम चिरह कला के पास स्थित बेयर हाऊस का जो नजारा देखने मिला कि सुबह होने के बाद भी किसानों की एक एक बोरी यूरिया के लिये जिस तरह भीड़ देखाई दे रही थी वह बीते हुये वर्ष आयोजित हुये प्रयाग राज के महाकुंभ मेले की भीड़ की तरह दिखाई देने से नही चूक रही थी। वितरण केन्द्र खुलने के पहले ही यहां का नजारा इस तरह बन चुका था कि मौके पर पुलिस को तैनात करना पड़ा। दिन भर लाईनों में लगने के बाद भी जब अन्नदाताओं को यूरिया नही मिला तो उन्हें सड़क पर बैठने के लिये मजबूर होना पड़ा। इस तरह एक सप्ताह के अंदर दूसरे बार किसानों को सड़क पर बैठने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा चुका है। क्योंकि बीते हुये सोमवार को भी कुछ इसी तरह के हालात बने हुये थें जब किसानों को सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने के लिये मजबूर होना पड़ा था। अनुमान लग रहा था कि शायद सत्ता का सुख भोगने वालों द्वारा किसानों की परेशानी को गंभीरता से लिया गया होगा और व्यवस्थाओं में सुधार होगा। मगर इसके बाद भी किसी तरह का कोई सुधार नही होने से किसानों को अपने खेतों में बोनी करने के लिये यूरिया नही मिलने के कारण पुनः आक्रोशित होकर सड़क पर बैठने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया। यह बात अलग है कि सत्ता से लेकर प्रशासन तंत्र मे बैठे हुये लोगों द्वारा यूरिया उपलब्धता के आकड़े पेस करते हुये स्थिति को संतोष जनक बताया जाता है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब पर्याप्त मात्रा में यूरिया आ रहा है। जिस तरह अधिकारियों द्वारा आकड़े प्रदान किये जा रहे है तो फिर किसानों को यूरिया मिल क्यों नही पा रहा है..? आखिरकार यूरिया गायब कहा हो रहा है जिसके चलते एक एक बोरी यूरिया के लिये क्षेत्र के अन्नदाता को दिन दिन भर भूखा प्यासा रहते हुये लाईनों में लगने के बाद शाम को खाली हाथ लौटते हुये देखा जा रहा है..? यह बात अलग है कि सरकार द्वारा किसानों के खातों में सम्मान निधि के पैसा डालते हुये अपने आपको किसानों की हम दर्ज बनते हुये वाही वाही लूटने का प्रयास किया जाता है। क्या देश का अन्नदाता सम्मान निधि के रूप में प्रदान किये जाने वाली चंद राशि के भरोसे अपना व बच्चों का भरण पोषण करने में सफल हो पायेगा..? क्योंकि जब किसानों को अपने खेतों में बोनी करने के लिये जरूरत के हिसाब से सामग्री ही नही मिल पायेगी तो फिर वह खेती को लाभ का धंधा बनाने में कैसे सफल हो पायेगा..। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय किसान अच्छे दिनों के घन चक्कर में फसने के बाद खून के आसू बहाते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है..?

गौवंश हत्या को लेकर सांईखेड़ा सहित आसपास के गांवों में देखने मिल रहा है आक्रोश, हिन्दू संगठनों ने कार्यवाही की मांग करते हुये पुलिस को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

सदा ही शांति प्रिय व सभी धर्म के आयोजनों को मिल जुलकर अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली दादा धूनी वालों की नगरी में लोगों के बीच आक्रोश पैदा होने से उस समय नही चूक पाया जब नगर के लोगों ने सोमवार की सुबह नगर के वार्ड क्रमांक 8 विवेकानंद वार्ड के एक स्थान पर गौवंश यानि की गायब के बछड़े का कटा हुआ सर एक स्थान पर पड़ा हुआ देखा गया। बताया जाता है कि जिस तरह से गौवंश का सिर कटा हुआ था और धड़ गायब होने की स्थिति में यह बात उजागर होने से नही चूक रही थी कि निश्चित तौर से किसी ने गौवंश की हत्या की गई है..? इस तरह घटित हुई गौवंश की हत्या की घटना की खबर जहां सांईखेड़ा सहित क्षेत्र में आग की तरह फैलने से नही चूक पा रही थी और इस घिनौनी घटना की खबर मिलते ही हिन्दू संगठनों सहित आम लोगों में आक्रोश पैदा होते हुये देखा जाने लगा। क्योंकि कुछ दिनों पहले गाडरवारा नगर में घटित हुई एक दर्जनों की गायों की मौत में अभी तक आरोपी की खोज न हो पाने के बाद सांईखेड़ा में इस तरह की घटना ने सनसनी का महौल पैदा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है..? इसी के चलते मंगलवार को करणी सेना सहित बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद के आलवा हिन्दू संगठन के साथ साथ आम लोगों द्वारा एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन करते हुये आरोपी की खोज करते हुये सख्त कार्यवाही करने की मांग करने से नही चूके। स्थिति को ध्यान में रखते हुये सांईखेड़ा में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गा था। इस दौरान हिन्दू संगठन से जुडे हुये लोगों का कहना है कि जिस तरह गौवंश का सिर कटा होने के साथ साथ उसका धड़ गायब है यह पूर्णरूप से गौवंश की हत्या है..? क्योंकि यह घटना निश्चित तौर से नगर के सोहद्र महौल को बिगाड़ने की ओर एक बड़ा संकेत है। इसी के चलते करणीसेना सहित अन्य हिन्दू संगठनों द्वारा पुलिस थाना प्रभारी को ज्ञापन सौपा गया। बताया जाता है कि सौपे गये ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि नगर में पहली बार किसी के द्वारा इस तरह गौवंश की हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है वह पूर्णरूप से गंभीर होने के साथ साथ निदंनीय है। यह कृत्य हम हिन्दूओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला होने के साथ साथ नगर व क्षेत्र की शांति व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास प्रतीत होने से नही चूक रहा है। हम प्रशासन से मांग करते है कि शीर्घ ही घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की खोज करते हुये गौवंश के शरीर का गायब हुआ शेष भाग जप्त करते हुये सख्त कार्यवाही की जावे जिससे भविष्य में इस तरह की घटना को अंजाम देने का प्रयास न हो सके। वही दूसरी ओर जिस तरह नगर में खुले स्थानों पर मांस का विक्रय हो रहा है उस पर तुंरत रोक लगाई जावे। यदि समय रहते हुये प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आरोपी को खोजने के साथ साथ कार्यवाही नही की गई तो हम हिन्दू संगठनों को धरना प्रदर्शन करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा जिसका जिम्मेदार शासन प्रशासन होगा। ज्ञापन के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, डोगरगांव थाना प्रभारी प्रकाश पाठक के आलवा सांईखेड़ा थाना प्रभारी सहित अन्य भारी पुलिस बल मौजूद था।

अनुविभागीय स्तर हुई जनसुनवाई में मौजूद रही जिला कलेक्टर इस दौरान प्राप्त हुये 138 आवेदनों का किया निराकरण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

म.प्र. शासन के आदेश पर जन सुनवाई कार्यक्रम हर मंगलवार को आयोजित किया जाता है। वही इस कार्यक्रम के दौरान लोग तहसील स्तर पर अपनी समस्यायें लेकर पहुंचते है। मगर जब उनका निराकरण नही हो पाता है या फिर आवेदक स्थानीय अधिकारियों की कार्य वाही से संतुष्ट नही होती है तो वह जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचने से नही चूकते है। इस स्थिति में गाडरवारा से जिला मुख्यालय की दूरी 56 किलों मीटर होने के चलते आवेदकों को इतने दूरी तक भटकने से बचाव को ध्यान में रखते हुये जिला कलेक्टर द्वारा इस मंगलवार को अनुविभागीय स्तर की सुनवाई का आयोजन गाडरवारा तहसील सभागार में आयोजित करने का निर्णय लेते हुये खुद भी मौजूद रही। इस तरह मंगलवार को जिला कलेक्टर की मौजूदगी में आयोजित हुई जन सुनवाई में जहां सुबह 10 बजे से ही आवेदकों की भीड़ लगते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही थी। इस तरह जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को अनुविभाग स्तर पर तहसील कार्यालय गाडरवारा के सभाकक्ष में आयोजित की गई में पहुंचे आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। आयोजित इस जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 138 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इस दौरान जिला कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुये आवेदको को पूर्ण रूप से निराकरण का भरोसा दिया गया। इस दौरान मुख्य रूप से जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश, गाडरवारा अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती कलावती ब्यारे, तहसीलदार प्रियंका नेता, नगर निरीक्षक विक्रम रजक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया। जनसुनवाई में विभिन्न जिला अधिकारी, अनुभाग स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे, जबकि अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि गाडरवारा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आम नागरिक अपनी छोटी- बड़ी समस्याएं एवं शिकायतें लेकर जिला मुख्यालय आते हैं। दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों को होने वाली अनावश्यक असुविधा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा अनुभाग स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया है, जिसमे कलेक्टर उपस्थित रहेंगी। साथ ही अन्य विभागों के जिला अधिकारी उक्त जनसुनवाई में वीसी के माध्यम से जुड़े रहेंगे।

एनटीपीसी में बिजनेस एक्सीलेंस का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। एनटीपीसी गाडरवारा में बिजनेस एक्सीलेंस असेसमेंट 2024–25 का शुभारंभ बीते हुये मंगलवार 16 दिसंबर को क्वालिटी चैंपियन जी. वी. एस. राव के मार्गदर्शन में किया गया। बताया जाता है कि यह असेसमेंट वरिष्ठ असेसर राडेश कुमार के नेतृत्व में असेसर एस.एस. चौहान, श्रीमती सविता चौबे और के. सुंदर राव की विशेषज्ञ टीम द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस असेसमेंट के उद्घाटन सत्र एवं कार्यवाही की अध्यक्षता परियोजना प्रमुख श्याम कुमार ने करते हुये अपने संबोधन में उन्होंने एनटीपीसी की निरंतर सुधार, संगठनात्मक उत्कृष्टता और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के पालन के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। यह असेसमेंट संगठन की व्यावसायिक प्रक्रियाओं, प्रदर्शन उत्कृष्टता और सतत विकास (Sustainability Development) प्राथमिकताओं का समग्र मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। बताया कि इसका लक्ष्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाना, श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों की पहचान करना और निरंतर सुधार के अवसरों को उजागर करना है। ताकि संगठन की कुशलता, सुरक्षा और सतत विकास को और मजबूती मिल सके।

नगर में जहां तहां विक्रय हो रही मांस मछली के अवैध कारोबार के चलते नगर में फैल रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही नगर पालिका द्वारा मांस मछली विक्रय करने के लिये जगह निर्धारित की गई है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा नगर में जहां तहां खुलेआम मांस मछली का विक्रय करते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते नगर का वातावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है साथ ही साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचने से नही चूक रही है..? इस प्रकार से मांस मछली विक्रय करने वालो की मनमानी पर अंकुश न लग पाना नपा प्रशासन की उदासीन कार्य प्रणाली सहित पुलिस प्रशासन की उदासीनता को भी उजागार करने से नही चूक रही है। जिसके चलते इस प्रकार से नगर में धडल्ले से जहां तहां हो रहे मांस मछली के विक्रय से नगर में गंदगी फैलने के साथ साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से भी नही चूक रही है। क्योंकि इस प्रकार से मांस मछली सहित अंडे का व्यापार करने वाले लोगों द्वारा न तो नगर के मंदिरों का ध्यान रखा जा रहा है और न ही शिक्षण संस्थाओं का जिसके चलते लोगों में इस प्रकार से खुलेआम बिक रहे मांस व मछली पर नजर पड़ते हुये उसकी धार्मिक भावना को ठेस पहुंच रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई स्कूली बच्चों में भी देखने मिल रही है जिन्हें इस प्रकार खुलेआम विक्रय होने वाले मांस व मछली के चलते घृडा का शिकार होते हुये देखा जाता है, कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के पलोटन गंज जाने वाले मार्ग पर देखी जा रही है जहां हनुमान मंदिर व आचार्य मंदिर से चंद कदम दूरी पर खुलेआम बिरयानी विक्रय का वोर्ड अपनी शोभा बढ़ाने से नही चूक रहा है, यही हाल नगर के अन्य स्थानों पर भी देखने मिल रहा है? इस प्रकार से निर्धारित स्थल के जगह नगर के प्रमुख व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है और नही नपा प्रशासन द्वारा जिसके चलते नगर में खुलेआम गंदगी का महौल निर्मित होने से नही चूक पा रहा है। इस प्रकार से नगर की गलियों व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है।

मांस मछली के विक्रय को लेकर आक्रोश देखने मिल रहा है। नगर में जहां तहां मांसहारी सामग्री धडल्ले से विक्रय होने वाले मांस मछली की सच्चाई इस समय नगर की पानी टंकी सहित सहित अन्य स्थानों पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पानी टंकी के पास जहां नगर का एक मात्र गायत्री मंदिर स्थित है वही हनुमान मंदिर के साथ साथ शिक्षण संस्था भी स्थापित है। मगर इसके बाद भी यहां पर प्रतिदिन शाम के वक्त जहां खुलेआम छतरी के नीचे बिरयानी और मछली विक्रय होते हुये देखी जा रही है। वही अनेक अन्य प्रकार से मांसहारी दुकाने सजने से नही चूक पा रही है। इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो उसे सबसे पहले इस प्रकार से विक्रय होने वाली

लगातार गायब हो रही सड़कों के किनारे लगी लोहे की सुरक्षा पट्टी?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जिस प्रकार से क्षेत्र में आये दिन लोगों के घरों में घटित हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में हुई अनेक चोरी के मामलो में लिप्त आरोपियों को पुलिस आज तक खोजने में असफल देखी जा रही है, वही अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां तहां फैली हुई शासकीय संपत्ति भी अब असुरक्षित दिखाई देने लगी है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जहां तहां निर्मित हो रही सड़कों के किनारो पर सुरक्षा के हिसाब से लगाई जाने वाली लोहे की सुरक्षा पट्टी लगातार गायब होते हुए देखी जा रही है..? इस प्रकार से सड़कों पर लगी हुई इन पट्टियों के गायब होने की स्थिति पर गौर किया जावे तो उनके गायब होने के बाद जो सच्चाई दिखाई दे रही है उसे देखकर यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि इन लोहे की पट्टियों को किसी द्वारा रातो रात काटते हुए पार किया गया रहा है, क्योंकि शहर के नजदीक सड़क सड़क किनारों से गायब हो रही इन पट्टियों के चलते जहां संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खडे होते हुए देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक रही है? क्योंकि प्रतिदिन पुलिस द्वारा रात्रि कालीन गस्त व्यवस्था लगाई जाती है जिसमें एक गस्त लोकल स्तर की होती है और एक गस्त संभागीय स्तर की होती है जिसमें गस्त अधिकारी संपूर्ण क्षेत्र में भ्रमण करते हुए क्षेत्र की निगरानी करता है, इसके बाद भी यह पट्टी चोरी होना निश्चित ही चिंता का विषय बना हुआ है? क्योंकि इन पट्टियों को जब कोई चोरी करेगा तो निश्चित ही वह किसी न किसी वाहन का उपयोग करता होगा इसके बाद भी पुलिस की नजर में न आना अनेक संदेहों का पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर यदि गौर किया जावे तो इन लोहे की पट्टियों को पार करने वाले द्वारा निश्चित ही उनका विक्रय किसी न किसी कबाड़ी के पास किया जाता होगा? क्योंकि इस समय नगर में जिस प्रकार से कबाड़े का कारोबार कुलियों से लेकर खेतों में फैला हुआ है उसके चलते इस प्रकार से लोहे की सामग्री को बढ़ावा देने में कोई कसर ही छोड़ रहा है? मगर इसके इसके बाद भी इस प्रकार से कबाड़ियो के प्रति पुलिस की मेहबानी चर्चा का विषय बनते हुए देखी जा रही है।

जनसुनवाई में 64 आवेदनों पर हुई सुनवाई, शीघ्र निराकरण के निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान प्रशासन ने आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए नागरिकों द्वारा कुल 64 आवेदन प्रस्तुत किए गए। जिन आवेदनों का तात्कालिक निराकरण संभव नहीं था, उनके लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनसुनवाई में किसान सम्मान निधि सहित अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़े आवेदन प्रमुख रूप से सामने आए। कई किसानों ने योजना की किस्त प्राप्त न होने, भुगतान रोके जाने अथवा तकनीकी कारणों से राशि लंबित रहने की जानकारी दी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सभी प्रकरणों की जांच प्रक्रिया लगातार की जा रही है।

आवेदनों में यह भी सामने आया कि ई-केवाईसी, आधार एवं बैंक खाते की लिंकिंग, भूमि रिकॉर्ड में त्रुटि या पोर्टल संबंधी समस्याओं के चलते किसानों को राशि मिलने में बाधा आ रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि ऐसे मामलों में दस्तावेजों का सत्यापन कर तकनीकी खामियों को शीघ्र दूर किया जाए।जनसुनवाई के दौरान वनग्राम हल्दीकरेली निवासी गनपत सिंह ने किसान सम्मान निधि की राशि नहीं मिलने का आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर सीईओ जनपद पंचायत समनापुर को जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए गए। वहीं आवेदिका संतोषी बाई ने पेंशन एवं एनपीएस राशि से संबंधित समस्या रखी, जिस पर सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।प्रशासन ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रेषित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना प्राथमिकता है। जनसुनवाई के दौरान एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने शहपुरा में किया विभिन्न स्थलों का औचक निरीक्षण

डिंडौरी।अपर कलेक्टर जे.पी. यादव ने शहपुरा दौरे के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं जनसेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया।अपने दौरे की शुरुआत में अपर कलेक्टर ने मतदान केंद्र क्रमांक 33 एवं 34 का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे मतदाता सूची, रैंप, शौचालय, बिजली एवं पेयजल व्यवस्था का अवलोकन करते हुए चुनावी तैयारियों की समीक्षा की और मतदान केंद्रों को सुव्यवस्थित एवं मतदाता-अनुकूल बनाए रखने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात यादव ने धान खरीदी केंद्र शहपुरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान धान उपार्जन की प्रक्रिया, किसानों के पंजीयन, तौल एवं भुगतान व्यवस्था, भंडारण एवं सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा धान खरीदी कार्य शासन के निर्देशानुसार पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए। अपर कलेक्टर ने प्राथमिक कन्या शाला कोहानीदेवरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, छात्राओं की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन, स्वच्छता एवं शिक्षण व्यवस्था का जायजा लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने तथा छात्राओं की नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।दौरे के अंतिम चरण में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोहानीदेवरी का निरीक्षण किया गया। यहां उन्होंने उपलब्ध चिकित्सकीय सेवाओं, दवाओं की स्थिति, स्टाफ की उपस्थिति, साफ-सफाई एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की और ग्रामीणों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए इस प्रकार के औचक निरीक्षण आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत 15 दिवसीय सृजन कार्यक्रम का शुभारंभ

डिण्डौरी। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत तकनीकी सहयोग से संचालित 15 दिवसीय 'सृजन कार्यक्रम' का शुभारंभ पुलिस लाइन डिण्डौरी में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोर-किशोरियों को आत्मरक्षा, लैंगिक समानता, कानूनी जागरूकता, नेतृत्व क्षमता तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों के प्रति सशक्त बनाना है।कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डीएसपी पुरुषोत्तम मरावी, प्रभारी रक्षित निरीक्षक कुंवर सिंह ओलाडी सहित अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बालक-बालिकाएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आत्मरक्षा कौशल, व्यक्तिगत सुरक्षा, कानूनी अधिकारों एवं सामाजिक दायित्वों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही प्रदीपन संस्था के अजीत बेलिया एवं उनकी टीम द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।डिण्डौरी पुलिस की यह पहल पुलिस और समुदाय के बीच विश्वास एवं समन्वय को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय और महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विकसित भारत का आधार कृषि और जनजातीय कल्याण : कलेक्टर

डिंडोरी।

विकसित भारत 2047 की संकल्पना भारत को आने वाले वर्षों में एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस लक्ष्य की प्राप्ति कृषि और जनजातीय कल्याण के क्षेत्र में ठोस प्रयासों के माध्यम से संभव है। यह विचार पीआईबी भोपाल द्वारा डिंडोरी में आयोजित वार्तालाप कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कृषि, जनजातीय कल्याण और ग्रामीण विकास से जुड़ी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करना है। इन प्रयासों में आमजन की भागीदारी आवश्यक है। इससे न केवल देश बल्कि मध्यप्रदेश और डिंडोरी जिले का भी सर्वांगीण विकास होगा।कलेक्टर ने प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना, प्रधानमंत्री जन-मन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए जिले के नागरिकों से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाएं, ताकि सरकारी प्रयासों को वास्तविक सफलता मिल सके।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते ने कहा कि केंद्र सरकार ग्रामीण विकास, कृषि और जनजातीय कल्याण के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कृषि, शिक्षा, युवा कल्याण और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेकर समाज के अन्य वर्गों तक इनका प्रभाव पहुँचाएं।कार्यक्रम के प्रारंभ में पीआईबी भोपाल के निदेशक मनीष गौतम ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि पीआईबी द्वारा मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रेस वार्तालाप कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी ग्रामीण स्तर तक पहुँचाई जा रही है। इसी क्रम में केंद्रीय संचार ब्यूरो, भोपाल द्वारा डिंडोरी में विकसित भारत 2047 विषय पर दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।वार्तालाप के दौरान जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त राजेंद्र कुमार ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। वहीं कृषि उपसंचालक अभिलाषा चौरसिया ने प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना सहित कृषि क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक पी.एल. अंबोलकर ने बताया कि केंद्र के माध्यम से किसानों को नई तकनीकों, प्रयोगों और समस्याओं के समाधान से अवगत कराया जाता है।कार्यक्रम में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से भी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक अजय प्रकाश उपाध्याय ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सहायक निदेशक पराग मांदले ने किया।

ठंड और घना कोहरे से आमजनों की जनजीवन प्रभावित

किसानों की फसलों को लेकर बढ़ी चिंता

अमरपुर। अमरपुर मुख्यालय सहित पूरे विकासखंड भर में कुछ दिनों से भारी ठंड एवं कोहरे से पूरा जनजीवन प्रभावित हो गई हैं। ठंड इतनी तेज बढ़ गई हैं कि आमजन शाम 5:30 बजे तक अपने घर पहुंचने का प्रयास करते दिखाई हैं। परंतु नौकरी पेशा वाले लोगों की मजबूरी हैं कि वह देर शाम तक ही अपने घर पहुंच पा रहे हैं। वहीं सुबह 9 बजे तक घना कोहरा छाया रहता हैं। सुबह शाम सफर करने वाले लोग भारी परेशानी महसूस कर रहे हैं। वहीं पर इस वर्ष अरहर की फसल बहुत अच्छी मानी जा रही हैं। जोकि इस समय फूल और फल लगने पर हैं। जिसमें किसानों को पाला लगने की अभी से चिंता सता रही हैं। वहीं पर मसूर की फसल भी फूल लगने पर हैं। जिसे कोहरे से फसल खराब होने का अत्यधिक डर सता रहा हैं। सबसे अधिक इस ठंड का प्रभाव बुजुर्गों पर पड़ रहा हैं। वहीं पर दूसरी ओर किसान अपनी फसल को सिंचाई में रात्रि को भी व्यस्त देखें जा रहे हैं। किसानों का कहना हैं कि रात्रि 8 बजे के बाद ठंड में काम करने की हिम्मत नहीं पड़ती मजबूरी में सिंचाई बंदकर खेत में ही आग ताप कर तैसे जैसे रात्रि बिताना पड़ रहा हैं।

नशे के विरुद्ध जन-जागरण का संकल्प, नशा मुक्ति जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

डिंडौरी । जिले में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत 7 दिवसीय नशा मुक्ति जन-जागरूकता रथ का शुभारंभ किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर से जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्ते, कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहिनी सिंह एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय श्याम सिंगौर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया गया।यह जन-जागरूकता रथ जिले के सभी विकासखंडों, हाट-बाजारों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण करेगा। रथ के माध्यम से पंपलेट, बैनर, पोस्टर एवं अन्य प्रचार सामग्री के जरिए आमजन को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाएगी तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने नशे को एक गंभीर सामाजिक बुराई बताते हुए युवाओं सहित आम नागरिकों से नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान जनसहभागिता से ही सफल हो सकता है और यह जन-जागरूकता रथ जिले में व्यापक चेतना फैलाने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा। नशा मुक्ति अभियान जिले में सकारात्मक सोच, सुरक्षित भविष्य एवं खुशहाल परिवारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी पहल है।

विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में जनभागीदारी आवश्यक : रुद्रेश परस्ते

डिंडोरी

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता अनिवार्य है। कोई एक व्यक्ति अकेले परिवर्तन नहीं ला सकता, इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी होते हैं। यह विचार जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते ने पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय डिंडोरी में आयोजित विकसित भारत 2047 विषयक चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए। यह आयोजन केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया।उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षों में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बनाया है। यह उपलब्धि केंद्र सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। इन योजनाओं के माध्यम से देश निरंतर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।कार्यक्रम में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि युवाओं को अपने जीवन के लक्ष्य ऊँचे रखने चाहिए, क्योंकि युवाओं की सफलता का सीधा प्रभाव देश के विकास पर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुँचना अत्यंत आवश्यक है, विशेष रूप से डिंडोरी जैसे जिलों में, जहाँ भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद विकास की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं।पत्र सूचना कार्यालय भोपाल के निदेशक मनीष गौतम ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के विजन और उससे जुड़ी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से देशभर में इस प्रकार की चित्र प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सहायक निदेशक अजय उपाध्याय, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य एस.के. सोनी, जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एस.के. चौकसे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सहायक निदेशक पराग मांदले ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।उल्लेखनीय है कि यह चित्र प्रदर्शनी 16 और 17 दिसंबर 2025 तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आम नागरिकों के अवलोकन हेतु खुली रहेगी। प्रदर्शनी में जीएसटी सुधार, नए श्रम कानून, स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय विरासत विषयों सहित विकसित भारत 2047 के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित की गई है। विभाग द्वारा अधिक से अधिक नागरिकों से प्रदर्शनी देखने की अपील की गई है।

कोतवाली पुलिस ने एक वर्ष से फरार स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार

डिंडौरी। जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा फरार आरोपियों व वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सतीष द्विवेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। विशेष न्यायाधीश डिंडौरी द्वारा प्रकरण क्रमांक 09/24 में जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट के तहत एक वर्ष से फरार आरोपी राम भजन पिता शंभू सिंह सैयाम, उम्र 34 वर्ष, निवासी धिरवन, थाना शहपुरा, जिला डिंडौरी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही करते हुए उसे माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।इस सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नागपुरे, प्रधान आरक्षक क्रमांक 271 आदित्य शुक्ला एवं प्रधान आरक्षक क्रमांक 146 सलीम खान की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, डंपर जप्त

डिंडौरी ।

अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 16 दिसंबर 2025 को रात्रि लगभग 2 बजे नायब तहसीलदार करंजिया द्वारा ग्राम खन्नात क्षेत्र में अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए एक डंपर को पकड़ा गया। जांच के दौरान डंपर में मौके पर 15.1 घन मीटर रेत पाई गई। जप्त किए गए वाहन का पंजीयन क्रमांक सीजी 31 बी 9366 है, जिसके वाहन स्वामी का नाम सुशील सिंह, निवासी ग्राम पमरा, पोड़की बताया गया। मौके पर डंपर चालक रामप्रसाद, पिता मंगलू द्वारा रेत परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। दस्तावेजों के अभाव में डंपर को जप्त कर थाना करंजिया के सुपुर्द किया गया है। मामले में नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध ऐसी कार्रवाइयाँ लगातार जारी रहेंगी।

जिले में 17 दिसंबर से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का द्वितीय चरण प्रारंभ

डिंडौरी । मध्यप्रदेश शासन पशुपालन विभाग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के कुशल मार्गदर्शन में जिले में पशुपालकों की आय में वृद्धि तथा दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन 17 दिसंबर 2025 से 03 जनवरी 2026 तक 15 दिवस की अवधि में किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिले के 38 सहायक पशु चिकित्सक क्षेत्र अधिकारी, 81 मैत्री/गौसेवक एवं 05 पशु सखी द्वारा ऐसे पशुपालकों के घर-घर जाकर व्यक्तिगत गृह भेंट दी जाएगी, जो 05 से 09 मादा गौवंश अथवा भैंसवंश का पालन कर रहे हैं। गृह भेंट के दौरान पशुओं में नस्ल सुधार से संबंधित उन्नत तकनीक, पशु स्वास्थ्य एवं पशु पोषण के संबंध में पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा, ताकि प्रभावी एवं परिणाममूलक रूप से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। अभियान के दौरान संबंधित पशुपालकों की जानकारी दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के विभागीय एप में दर्ज की जाएगी। संपादित कार्यों का सत्यापन संबंधित विकासखंडों के पशु चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। इस अभियान का पर्यवेक्षण जिले के नोडल अधिकारी उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. अभिनव शुक्ला, संयुक्त संचालक जबलपुर डॉ. एच.पी. शुक्ला, राज्य स्तर से नामांकित अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा कलेक्टर के दिशा-निर्देशन अनुसार किया जाएगा। अभियान के पूर्व राज्य स्तर से नियुक्त जिले के विभागीय प्रेक्षक डॉ. एन.एस. कुलस्ते तथा राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त जिले के विभागीय मास्टर ट्रेनर्स डॉ. पल्लवी परते, डॉ. शैफाली आर्मो एवं डॉ. अभिनव शुक्ला द्वारा अभियान में गृह भेंट देने वाले समस्त सर्वेयरों को एक दिवसीय जिला स्तरीय विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके पश्चात खंड स्तर पर भी प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति की गई।

टिकरिया में बाल विवाह रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी। जिले में संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नर्मदा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिकरिया में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 120 विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्तर पर गंभीर हानियाँ होती हैं तथा यह एक दंडनीय अपराध है। साथ ही बाल विवाह रोकथाम से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए इसे रोकने को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बाल विवाह न करने एवं किसी भी प्रकार से इसमें शामिल न होने की शपथ भी दिलाई गई।कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती सविता धारावी, आईसीपीएस वर्कर श्रीमती पूजा टीकम तथा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक चौबे सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा, सहायता सेवाओं एवं बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं तथा उन्हें सतर्क व जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाकर बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में सकारात्मक सोच विकसित करना रहा।

जल संचय अभियान के तहत श्रमदान से बोरी बंधान, जल संरक्षण की दिलाई गई शपथ

डिंडौरी । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा निरंतर चलाए जा रहे जल संचय अभियान के अंतर्गत विकासखंड समनापुर, जिला डिंडोरी के प्रस्फुटन ग्राम उमरिया, ग्राम पंचायत मोहगांव, सेक्टर 05 बम्हनी में श्रमदान से बोरी बंधान का कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित श्रमदानियों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल के आदेशानुसार एवं शासन की मंशा के अनुरूप, जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान तथा समनापुर ब्लॉक समन्वयक श्रीमती मंजूलता राव के मार्गदर्शन में यह कार्य किया गया। जन अभियान परिषद जिला डिंडोरी, विकासखंड समनापुर अंतर्गत चयनित नवांकुर संस्था समाज कल्याण संस्थान मोहगांव (सेक्टर 05 बम्हनी) एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति उमरिया द्वारा ग्राम के सिद्ध बाबा नाला में लगभग 50 बोरियों का बोरी बंधान तैयार किया गया।कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद समनापुर से विकासखंड समन्वयक श्रीमती मंजूलता राव, नवांकुर संस्था सेक्टर 05 बम्हनी से प्रभारी श्री रामकुमार मरकाम, सेक्टर 04 गौराकन्हारी से श्री सूरज ताम्रकार, सेक्टर 03 समनापुर से श्री दीपक वर्मे, मेंटर श्री शिवकुमार ठाकुर एवं श्रीमती डॉली पनरिया, ग्राम पंचायत मोहगांव के सरपंच श्री दिनेश व्याम, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री अंगद दास छुरे सहित समिति के सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। बोरी बंधान निर्माण से संबंधित स्थल पर पर्याप्त मात्रा में जल भराव हो रहा है, जिससे किसानों को कृषि कार्यों, मवेशियों के लिए जल उपलब्धता के साथ-साथ सिंचाई एवं निस्तार हेतु भी लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थितजनों ने जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।

जन अभियान परिषद की प्रभावी पहल

डिंडौरी

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले में निरंतर चलाए जा रहे जल संचय अभियान के अंतर्गत विकासखंड डिंडोरी में बोरी बंधान की प्रभावी पहल की गई। अभियान के तहत आज नवांकुर संस्था जन जागृति ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पड़रिया माल के तत्वावधान में रोड़ा नदी के निकट श्रमदान से बोरी बंधान का निर्माण किया गया। बोरी बंधान कार्य मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 15 से 31 दिसंबर 2025 तक संचालित जल संचय अभियान के अंतर्गत किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बहते जल को रोककर ग्रीष्मकाल में पशु-पक्षियों एवं मानव के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, भूमिगत जल स्तर में वृद्धि करना तथा आसपास के किसानों को कृषि सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध कराना है। बोरी बंधान से कृषि सिंचाई रकबे में वृद्धि के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने, सब्जी एवं तरबूज जैसी फसलों के उत्पादन के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान, विकासखंड समन्वयक गणेश सिंह राजपूत, नवांकुर संस्था के सचिव जगदीश मरावी, पाठ्यक्रम परामर्शदाता प्रकाश सिंह राजपूत, श्री ब्रजमोहन हनुमंत, ललित उईके, रघुनाथ सिंह चंदेल, श्री रतनलाल बेलिया, कमल धुर्वे, घनश्याम सिंह धुर्वे तथा CMCLDP की छात्रा मोहिनी धुर्वे की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान द्वारा उपस्थित सभी सहभागियों को जल संरक्षण एवं जल संवर्धन की शपथ दिलाई गई तथा जल संचय को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया गया।

धरती आवा जनजाति उत्कृष्ट अभियान के अंतर्गत सर्वे कार्य तेज

पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, मोबिलाइजर तथा

डिंडौरी । धरती आवा जनजाति उत्कृष्ट अभियान के अंतर्गत जिले में शासन-प्रशासन स्तर पर व्यापक सर्वेक्षण कार्य निरंतर जारी है। अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनजातीय समुदायों को शासन द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। जिन पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई के माध्यम से लाभ दिलाया जा रहा है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर समितियों का गठन किया गया है, जिनमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ग्रामवासी शामिल हैं। यह समितियाँ घर-घर जाकर सर्वे कर रही हैं। सर्वेक्षण में विशेष रूप से बैगा, गोंड एवं भरिया जनजाति समुदायों को शामिल किया गया है। सर्वे के माध्यम से यह जानकारी एकत्र की जा रही है कि संबंधित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड, पेंशन, छात्रवृत्ति सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं।अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत बजाग की ग्राम पंचायत गोंधा में इस विषय पर चर्चा एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बजाग एसडीएम श्री रामबाबू देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता, पटवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को अभियान के उद्देश्य की जानकारी देते हुए सर्वे कार्य में सक्रिय सहयोग की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का लक्ष्य जनजातीय समाज को मुख्यधारा से जोड़ते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

8

जबलपुर, बुधवार 17 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

श्रीनगर–बगासपुर श्यामनगर सट्टे सूचना, पुलिस ने कार्रवाई का दिया आश्वासन

झोतेश्वर। श्रीनगर एवं बाघपुर श्याम नगर क्षेत्र 1के 80 खेल सट्टे का कारोबार शुरू होने की सूचनाएं सामने आई हैं। इसको लेकर स्थानीय लोगों में चिंता है और उन्होंने पुलिस प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने की मांग की है।
मामला झोतेश्वर चौकी क्षेत्र का बताया जा रहा है। इस संबंध में चौकी प्रभारी रोहित पटेल से बातचीत की गई। उन्होंने कहा कि "आपके माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई है। यदि कोई व्यक्ति सट्टा खिलाते हुए या सट्टे में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।" पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं सट्टा गतिविधि की ठोस जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। प्रशासन का कहना है कि अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

पेंशन शिविर का आयोजन कल से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिला पेंशन कार्यालय में कार्यालयीन समय में पेंशन शिविर का आयोजन 18 एवं 19 दिसम्बर को किया जाएगा। जिला पेंशन अधिकारी नरसिंहपुर ने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी नरसिंहपुर से कहा है कि वे शिविर में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए संबंधित स्थापना लिपिक को उपस्थित होकर निराकरण कराएं। जिला पेंशन अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि शासन की मंशानुसार सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के पेंशन परिवार पेंशन प्रकरणों का निराकरण किया जाकर लंबित पेंशन प्रकरणों की संख्या को शून्य किया जाना है। विभिन्न स्तरों पर की जा रही समीक्षा में पाया जा रहा है कि विभिन्न कार्यालयों में प्रकरण लंबित हैं, जो अभी तक जिला पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किए गए हैं या सुधार के लिए वापिस किए गए हैं और उक्त प्रकरणों को सुधार कर जिला पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत नहीं किए गए हैं, जिस पर कलेक्टर के निर्देश पर यह शिविर आयोजित किया ज रहा है।

ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से समीक्षा बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इन्दुरख्या द्वारा प्राचार्यों की ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रत्येक विकासखण्ड से सर्वोच्च एवं न्यूनतम परिणाम प्रगति वाले 02-02 विद्यालयों की विशेष रूप से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप से अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की स्थिति, बोर्ड परीक्षा परिणाम में वृद्धि हेतु कार्ययोजना, स्मार्ट क्लास संचालन की प्रगति, छात्रवृत्ति के असफल भुगतान की समीक्षा, एमपी टॉस, ओटीआर, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की स्थिति, आधार कैम्प में बायोमैट्रिक सत्यापन तथा विद्यालयीन अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशासन गांव की ओर अभियान का शुभारंभ कल से

कलेक्टर अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में प्रशासन गांव की ओर अभियान 19 से 25 दिसंबर 2025 के तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के मुख्यालय स्तर पर समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अभियान को सफल बनाने के लिए अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

गांव में कराई जाए मुनादी

जारी आदेश के मुताबिक जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सभी ग्राम पंचायतों में समस्या निवारण शिविर का कैलेंडर बनाकर जिला पंचायत प्रेषित करेंगे, जिसका इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। ग्राम पंचायत सचिव दो दिवस पूर्व से डोंडी पिटवाकर पंचायत के सभी ग्रामों में सूचना देंगे। इसके अतिरिक्त यदि ग्राम पंचायत का कोई सोशल मीडिया ग्रुप है, तो उसमें भी शिकायत निवारण की सूचना दी जावेगी। उक्त शिविर में पेंशन, संबल, मनरेगा, समग्र, आवास की ई-केवायसी भी की जाएगी। सभी विभागों के क्षेत्रीय अधिकारी उक्त शिविर में जाकर समस्याओं का निराकरण करेंगे तथा निराकृत की गई समस्याओं की संख्या और फोटोग्राफ जिला पंचायत कार्यालय को भेजेंगे।

जिला पंचायत में देनी होगी सूचना

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अपने स्तर से सभी सीपी ग्राम, सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई एवं जनप्रतिनिधियों, सीएम मॉनिट व आयोगों से प्राप्त शिकायतों का मिशन मोड में निराकरण कर, किये गये निराकरण की प्रगति से जिला पंचायत को अवगत कराएंगे। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निराकरण सभी संबंधित विभाग उक्त अवधि में निष्पादन कर निराकृत आवेदनों की संख्या से जिला पंचायत को अवगत कराएंगे। प्रत्येक जनपद में जनपद स्तरीय समस्या निवारण शिविर का आयोजन किसी भी बाजार दिवस के दिन किया जाएगा, जिसका स्थान व दिनांक मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत निर्धारित कर सूचित करेंगे। समस्याओं के निराकरण उपरांत प्रत्येक जनपद से 10- 10 सफलता की कहानियां फोटोग्राफ सहित जिला पंचायत को प्रेषित करेंगे। जनपद स्तरीय शिविर में आधार कार्ड अपडेट तथा नवीन आधार कार्ड भी बनाएं जाएंगे।

विभागों को सौंपी जिम्मेदारी

सुशासन सप्ताह के तहत आयोजित की जाने वाले अभियान को लेकर कलेक्टर द्वारा विभागों को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसमें ई-गवर्नेंस मैनेजर आधार मशीन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे। सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका स्तर पर समस्या निवारण शिविर का आयोजन कर निकाय को प्राप्त सभी शिकायतों का निराकरण कर पालन प्रतिवेदन व सफलता की कहानियां जिला पंचायत को प्रेषित करेंगे। सभी जिला विभाग प्रमुख भी अपने स्तर से उक्त शिविरों में अपने अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को उपस्थित रहने के लिए निर्देशित करेंगे। विभाग की प्राप्त शिकायतों का निराकरण कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को प्रतिवेदन प्रेषित करेंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन ग्राम पंचायतों में उप-निर्वाचन कार्य प्रचलित है वहां आदर्श आचार संहिता का पालन किया जाए।

वोकेशनल विद्यार्थियों की एफडीडीआई छिंदवाड़ा भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वोकेशनल के अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इन्दुरख्या के निर्देशन में प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैंसा पाला, के वोकेशनल विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत एफडीडीआई छिन्दवाड़ा का में प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। नोडल शिक्षक बसंत श्रीवास्तव, सहायक नोडल सी एल ठाकुर, वोकेशनल शिक्षक श्रीमती अर्पणा शर्मा स्वपनिल शर्मा, श्रीमती वंदना झारिया, भ्रमण के दौरान उपस्थिति में विद्यार्थियों ने एफडीडीआई में फुटवेयर निर्माण की मूल प्रक्रिया, डिजाइनिंग एवं मशीन संचालन, लेदर की पहचान, क्वालिटी टेस्टिंग, फुटवेयर उद्योग में उपलब्ध करियर अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त की। भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ।

ईको क्लब द्वारा विविध प्रतियोगिताएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारत सरकार के पर्यावरण वन जलवायु मंत्रालय तथा एप्को भोपाल द्वारा प्रायोजित पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ईको क्लब के तत्वाधान में तथा प्राचार्य निर्देशानुसार वनस्पतिशास्त्र विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताएं (निबंध लेख, चित्रकला, लोगन) आयोजित की गयी। विषय सिंगल यूज प्लास्टिक में कमी, स्वस्थ्य जीवन शैली अपना तथा ई-वेस्ट में कमी आदि रखा गया। जिसमें लगभग 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। चित्रकला में प्रथम स्थान सिद्धी श्रीवास्तव, द्वितीय प्राची लोधी एवं तृतीय स्थान अंशी कौरव ने प्राप्त किया। लोगन प्रतियोगिता में प्रथम गरिमा पाण्डे, द्वितीय निशा चौधरी एवं तृतीय स्थान आशा पाटकर ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम मनीषा चोधरी, आस्था साहू ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर मधु मेहरा एवं गरिमा पाण्डेय ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ. मनीला भाटिया, श्रीमती रेखा वर्मा, श्रीमती रिचा नेमा, हेमन्त अहिरवार एवं तरुण कोल का सराहनीय योगदान रहा ।

छात्र-छात्राओं ने किया कॉलेज का शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के आदेशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति से स्कूली छात्र-छात्राओं को अवगत कराने तथा उनके कैरियर काउंसलिंग की दिशा में शासकीय उ.मा. विद्यालय सिंहपुर बड़ा के छात्र-छात्राओं के दल ने एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। उल्लेखनीय है कि कक्षा 10 वीं एवं 11 वीं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों से परिचय कराने हेतु केरियर काउंसलिंग कैंप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने विषय चयन, विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां आई.टी. क्षेत्र में रोजगार के अवसर, सेल्फ स्टार्टअप तथा कौशल विकास हेतु विस्तार से प्रकाश डाला। सहा. प्राध्यापक शिशिर मिश्रा द्वारा डिजीटल मार्केटिंग.आई., ई-कॉमर्स, जावा स्क्रिप्ट, चैट जी.पी.टी., गेम डेवलपर, चैट जी.पी.टी., यूट्यूबर्स, सॉफ्टवेयर एडिटर तथा कैरियर गाइडेंस के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. मेजर पराग नेमा द्वारा किया गया। छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की अधोसंरचना अतंर्गत समस्त प्रयोगशालाओं एवं पुस्तकालय का भ्रमण कराया गया। उक्त अवसर पर विभागाध्यक्ष श्रीमती अनीता रघुवंशी, डॉ. दीपिका शर्मा, सहा. प्राध्यापक हेमराज सेन, आलोक शर्मा, श्रीमती प्रियंका पाठक एवं शासकीय उ.मा. विद्यालय सिंहपुर बड़ा की दल प्रभारी शिक्षिकाऐं अर्चना पाराशर, सुल्ताना उस्मानी, साक्षी भगत, तपस्या पटेल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे।

समाज में एकता और संगठित मजबूती के लिए दिया जोर

साहू समाज की ब्लॉक स्तरीय बैठक संपन्न

गोटेगांव विगतदिवस- साहू समाज उत्थान मंडल एवं समस्त साहू समाज के तत्वाधान में गोटेगांव तहसील स्तरीय सामाजिक एकता समरसता एवं अखंडता पर ग्राम देव नगर पुराना में एक स्वजातीय बंधुओं का समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन के जिला अध्यक्ष एवं साहू समाज तहसील अध्यक्ष भगवान दास साहू विशिष्ट अतिथिके रूप में त्रिभुवन साहू अध्यक्ष ग्रामीण साहू समाज स्थान मंडल गोटेगांव के साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राम जी साहू इमलिया एवं विशेष अतिथियों में श्री रामकृष्ण साहू बम्हनी कल्याण साहू इमलिया खेमलाल साहू रामेश्वर राव इमलिया श्री राम साहू चंदनखेड़ा पवन साहू गोटेगांव पत्रकार आशीष साहू गोटेगांव सहित अनेक गणमान्य स्वजाति बांधों के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ सर्वप्रथम बाजार में ग्राम के एवं अन्य गांव से आए हुए समस्त स्वजातीय जनों ने सभी अतिथियों का फूल माला बैंड बाजे अगवानी एवं कलश यात्रा के साथ होते हुए गांव में एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई जो कि कार्यक्रम स्थल खेड़ापति मंदिर के यहां पहुंचकर समाप्त हुई ! कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां खेड़ापति पवन पुत्र हनुमान जी की एवं मां कर्मा की महा आरती के साथ पूजन किया गया कार्यक्रम में बीड़ी साहू अध्यक्ष के साथ सभी अतिथियों द्वारा जन समुदाय को संबोधित करते हुए सामाजिक एकता पर बल देते हुए एक रह कर एक दूसरे को सहयोग करते हुए राजनीति में अपना वर्चस्वकायम रखने की अपील की गई साथ ही स्वजाति बंधु जनों से अनुरोध किया गया है कि जब भी आपस में मिले तो मां कर्मा देवी की जय के साथ अभिवादन के साथ मिले जिससे साहू समाज की एक अलग पहचान निर्मित हो इसी क्रम में क्रम में गोटेगांव स्थित स्वर्गीय छोटेलाल साहू राम मंदिर निर्माण हेतु दान राशि की मांग की गई जो की उपस्थिति सज्जनों द्वारा दिल खोल करके सहयोग प्रदान किया गया कार्यक्रम को संपन्न कराने में देवनगर की श्री कन्हैयालाल साहू मानसिंह साहू के साथ समस्त ग्राम वासियों का भरपूर सहयोग रहा अंत में आभार प्रदर्शन आशीष साहू पत्रकार द्वारा किया गया !

सड़क किनारे अवैध गुड़ भट्टियों से दुर्घटना का खतरा बढ़ा

गोटेगांव। तहसील के अंतर्गत बेलखेड़ी से आगे और वासनपानी के पास मुख्य सड़क किनारे अवैध रूप से गुड़ बनाने की भट्टियों का संचालन किया जा रहा है। इन अवैध गतिविधियों के कारण क्षेत्र में गंभीर अव्यवस्था और दुर्घटना का खतरा उत्पन्न हो गया है। भट्टियों से निकलने वाला कचरा, राख और गुड़ बनाने में उपयोग होने वाली लकड़ियों के बड़े-बड़े ढेर सीधे सड़क से सटाकर लगाए जा रहे हैं। इसकी वजह से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह गुड़ निर्माण का कार्य खुलेआम हो रहा है, लेकिन यहाँ सुरक्षा और स्वच्छता के कोई इंतजाम नहीं हैं।सड़क किनारे रखे कचरे और लकड़ी के ढेर के कारण वाहन क्रॉसिंग के समय दृश्यता (विजिबिलिटी) बुरी तरह बाधित होती है, जिससे विशेषकर रात के समय दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ गई है। इसके अलावा, भट्टियों से निकलने वाले धुएं, बदबू और लगातार हो रहे शोर से आसपास के ग्रामीण भी परेशान हैं।
ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि प्रशासन ने समय रहते इन अवैध गतिविधियों पर ध्यान नहीं दिया तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने माँग की है कि सड़क किनारे संचालित इन गुड़ भट्टियों की जाँच की जाए, अवैध रूप से रखे कचरे व लकड़ी के ढेर हटवाए जाएं, और यातायात एवं जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

गजरथ की फेरी के साथ श्री मज्जिनेंद्र कल्याणक महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का समापन

तेंदूखेड़ा। नगर में भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के नवीन मंदिर निर्माण एवं प्रतिष्ठा आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार को गजरथ की फेरी के साथ सानंद संपन्न हुआ। 11 दिसम्बर को विधिवत ध्वजारोहण के साथ शुरू हुये महोत्सव में 16 दिसंबर के बीच विविध धार्मिक आयोजन हुये।जिसे लेकर आयोजन समीति से लेकर नगर के सभी वर्गों धर्मों का विशेष सहयोग रहा। साथ ही जैन समाज द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां भी की गई थीं । गर्भ कल्याणक पूर्व रुप श्री याग मंडल विधान आरती प्रवचन के साथ रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम दूसरे दिन गर्भ कल्याणक उत्तरार्द्ध काल तीसरे दिन जन्मकल्याणक महोत्सव चौथे दिन तप कल्याणक पांचवें दिन ज्ञान कल्याणक एवं छठवें दिन मोक्ष कल्याण के साथ समापन हुआ।

प्राण प्रतिष्ठा के साथ हुआ कलशा रोहण

नगर के पुराने बस स्टैंड से मंडी रोड पर जाने वाले सड़क मार्ग पर मुनि सुब्रतनाथ जी का नवीन मंदिर निर्माण हुआ है। जिसका निर्माण विगत तीन वर्षों से अनवरत जारी था।इस भव्य मंदिर में 1008 मुनि सुब्रतनाथ जी एवं 1008 पारस नाथ जी आदिनाथ जी शांति नाथ जी भगवान महावीर जी मल्लीनाथ जी वासु पूज्य जी की प्रतिमा लाई गई थी जिनकी प्राण प्रतिष्ठा की गई।आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के द्वारा ही इस मंदिर की आधारशिला रखी गई थी जिनके सानिध्य में ही यह महामहोत्सव संपन्न हुआ।

इन मुनिराज का मिला मंगल सानिध्य

पट्टाचार्य चर्या शिरोमणि 108श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के साथ साथ श्रमण श्री 108 सुब्रत सागर अनुत्तर सागर प्रणेय सागर प्रणय सागर प्रणव सागर सर्वार्थ सागर साम्य सागर संजयंत सागर यशोधर सागर योग्य सागर यतींद्र सागर यत्न सागर निर्ग्रन्थ सागर निसंग सागर निर्विकल्प सागर जितेन्द्र सागर सुभग सागर सिद्धार्थ सागर सहर्ष सागर सत्यार्थ सागर सार्थक सागर सार्थ सागर समकित सागर सम्यक सागर नियोग सागर अनुयोग सागर साक्ष्य सागर और निवृत्त सागर जी महाराज ससंघ का संपूर्ण तेंदूखेड़ा को मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। तथा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ में प्रतिष्ठिता चार्य पं श्री सनतकुमार विनोद कुमार तथा सह प्रतिष्ठाचार्य पं कमल कुमार शास्त्री एवं प्रवेंद्र कुमार के द्वारा प्रतिदिन प्रातः सुबह सात बजे से नित्य पूजा देवाज्ञा गुरु आज्ञालंभन आचार्य निमंत्रण जाप्यनुष्ठान मंगल ध्वज स्थापना घटयात्रा वेदिका शुद्धि सकलीकरण इंद्र प्रतिष्ठा नांदीविधान मंडप प्रतिष्ठा मंडल विधान रात्रि सात बजे से आरती प्रवचन तथा रात्रि नौ बजे से बालक बालिका मंडलों बाहर आये कलाकारों द्वारा नाट्य प्रस्तुति कवि सम्मेलन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुये। आयोजन समीति द्वारा इस महायज्ञ में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाहन करने वाले मुख्य पात्रों और विभिन्न समीतियों के माध्यम से उत्कृष्ट सेवायें देने वाले सभी सहयोगियों को आयोजन समीति द्वारा सम्मानित किया गया।सात दिनों तक मेले में बड़ी संख्या में लगी दुकानों में बच्चों ने खूब आनंद लुप्त उठाया जरुरत मंदों ने रोजमर्रा की सामग्री भी खरीदी।

ऋषियों से आध्यात्म और कृषकों से भोजन मिलता है मुनिश्री

तेंदूखेड़ा से गाडरवारा सड़क मार्ग होते हुए छिंदवाड़ा बिहार करने के पूर्व पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि तेंदूखेड़ा नगर वास्तव में धन्य है यहां सभी वर्गों धर्मों के लोगों ने इस महायज्ञ को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया इसलिए ही तो अनेकता में एकता हमारे देश की विशेषता है।जब एकता के भाव बन जाते हैं तो निश्चित तौर पर हर काम सफल हो जाते हैं। हमारे ऋषियों से आध्यात्म और किसानों से भोजन मिलता है।भारत अस्त्र शस्त्र के साथ शास्त्रों की भी जननी है। निश्चित तौर पर मिलकर काम करने की भावना ही हमें एक दिन विश्व गुरु बनायेगी।